Report on Tourism and Job Opportunities in Chhattisgarh

Skill Development Cell & Department of History

Date of Event : November 11, 2016

Venue : Department of History

Event Brochure

Details of Event Proceedings

Date (DD-MM-YYYY)	Details of the Session	Details of Resource Person	Number of Participants
11-11-2016	Technical session I	Prof. R. N. Mishra, Retired Professor, Pt. R.S. University, Raipur	80
11-11-2016	Technical session II	Prof. Alok Shrotriya	80

A Brief Abstract of the Event:

इस कार्यशाला का आयोजन वर्ष 2000 में "नवगठित राज्य छत्तीसगढ" में पर्यटन के क्षेत्र में मौजूद अपार संभावनाओं की तलाश करना है l यह कौशल एवं उधमिता विकास मंत्रालय की एक अग्रणी योजना है I इसका उद्देश्य अधिक संख्या में भारतीय युवाओं को उधोग सम्बन्धी कौशल, प्रशिक्षित करना है, जो उनके अच्छे जीवन यापन को सुरक्षित करने में सहायक हो I प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण धान का कटोरा, अन्नपूर्णा, सोने की चिड़िया कहा जाने वाले वाला छत्तीसगढ़ संपूर्ण भारत वर्ष में समृद्धि का प्रतीक है l आदि काल में मानवीय सभ्यता इसी वनांचल में पनपी और पली थी l खनिज सम्पदा और वनश्री की दृष्टी से यह अंचल समृद्धशाली है l प्राचीन काल में यह प्रदेश दक्षिण कोसल कहलाता था और उसमें न केवल वर्तमान रायपुर, दुर्ग, बस्तर, बिलासपुर, सरगुजा और रायगढ़ जिलों का क्षेत्र, बल्कि उड़ीसा के संबलपुर जिले का बहुत - सा भाग शामिल था l यह प्रदेश मैकाल, रामगढ़ और सिहावा की पहाड़ियों से घिरा हुआ तथा महानदी और उसकी सहायक शिवनाथ, मांड, खारून, जोंक और हंसदों नदियों के जल से सिंचित है l इन नदियों के तट पर विभिन्न सभ्यताओं का उदय और विकास हुआ, जिनके अवशेष छत्तीसगढ़ के प्राचीन गौरव की झांकी प्रस्तुत करते हैं l

विश्व की प्राचीनतम रंगशाला, रामगढ़ की गुफाएं, छत्तीसगढ के नियाग्रा के नाम से विख्यात चित्रकूट जलप्रपात, रायगढ़ जिले के सिंघनपुर गुफा, काबरा पहाड़ के शैलाश्रयों में आदिमानव द्वारा उकेरे गए चित्र, छत्तीसगढ़ का खजुराहो भोरमदेव के अलावा सदाबहार जंगलों और विलक्षण जैव विविधता, बस्तर और सरगुजा के विशाल आदिवासी अंचल, विशिष्ट आदिवासी संस्कृति, लोक नाट्यों की परंपरा, दुर्लभ वन्य जातियों का बाहुल्य आदि इस छत्तीसगढ़ प्रदेश को देशी – विदेशी सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बनाने में सक्षम है l

कार्यशाला के उद्देश्य -

1. इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पर्यटन के क्षेत्र को विधार्थी के समक्ष रोजगार के एक नए विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना है l
2. पर्यटन के माध्यम से छात्र-छात्राओं में नयी दृष्टि, नए विचार का सृजन करना l
3. पुरातात्विक स्थानों का भ्रमण कर, विद्यार्थियों में पुरातत्व के प्रति जागरूकता लाना l
4. छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक एवं दर्शनीय स्थलों के महत्व से परिचित कराना l
5. छत्तीसगढ़ की प्राचीन संस्कृति एवं गौरव गाथा को उजागार करना l
6. पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान से परिचित करना l

Event Brochure

Participants